गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya_darshan@yahoo.co.in

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक

गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 3 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 8 माह – मार्च 2012 सहयोग राशि : 100 रु.

अतिथि सम्पादक की कलम से...

स्वागत ! वर्ष नवीन

स्वागत नूतन वर्ष ! समय द्रुम की नवशाखा,
स्वागत वर्ष नवीन ! जगत जन की अभिलाषा,
स्वागत द्वादशा: मास छटा से आने वाले,
स्वागत षट् ऋतुमयी, महाछवि लाने वाले ।।

नववर्ष मंगलमय हो

आप सोच रहे होंगे कि नये साल की बधाई इतनी देर से क्यों ? इसे तो एक जनवरी को देना था, लेकिन आप जानते है । जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष यूरोपियन सभ्यता के ग्रेग्रेरियन कैलेण्डर के अनुसार होता है, लेकिन हिन्दु विक्रम संवत् के अनुसार हम भारतीयों का नववर्ष, सृष्टि का आरंभ, चैत्र के प्रतिपदा (प्रथम दिन) को हुआ। भास्कराचार्य के अनुसार लंका नगरी में सूर्य उदय होने पर उसी के वार चैत्र मास, शुक्लपक्ष के आरंभ में दिन, मास, वर्ष युग आदि एक साथ आरम्भ हुए । हिमाद्री ग्रंथ के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन सूर्योदय के समय ब्रह्मा ने जगत की रचना की। ब्रिटिश दासता के काल में विदेशी भाषा और उस भाषा शिक्षा के कारण विदेशी मान्यताएं, मूल्यों एवं संस्कृति का प्रभाव, सामजिक जीवन के प्रभावशाली वर्गों पर हुआ इसका परिणाम यह हुआ कि इससे अपने देश की संस्कृति परम्परा और मान्यताओं के बारे में हीनता का बोध और विदेश की हर बात में श्रेष्ठता का भाव पनपा।

दुर्भाग्य से आज़ादी के बाद भी देश का नियामक वर्ग उसी प्रवाह में बहने लगा, जिससे एक ओर जहां एक जनवरी को चारों और हैप्पी न्यू इयर की धूम मचने लगी, वहीं दूसरी ओर भारतीय वर्षारम्भ वर्ष प्रतिपदा उपेक्षित हो गया।

पराधीनता के काल में अंग्रेजों ने ईस्वीं संवत् को ही मान्यता देकर सभी काम काज चलाने का प्रयास किया। अब इसे हमें बदलना होगा इसके लिए हमें अपनी संस्कृति, परंपरा, भाषा और जीवन के विविध क्षेत्रों में अपने पूर्वजों का योगदान और हमारा देश किसी से भी कमतर नहीं है, ऐसे भाव से समाज को परिचित कराना ही होगा। नवसंवत्सर पर एक दूसरे को बधाईयां देनी होगी और भेजना होंगे शुभकामना पत्र। बहुत लोगों को तो भारतीय नववर्ष के बारे में जानकारी ही नहीं है, इसके लिए हम सभी को युद्ध स्तर पर कार्य करना होगे, अपनी गरिमा को बनाये रखने के लिए।

भारतीय काल गणनानुसार वर्ष प्रतिपदा के दिन नवीन संवत्सर का आरंभ होता है, वर्ष प्रतिपदा का मुहूर्त सभी शुभ कार्यों के प्रारंभ करने के लिए उचित माना जाता है। ईस्वीं संवत् ईसा के जन्म से मृत्य पर्यन्त मनाया जाता है, लेकिन किसी के जन्म और मृत्यु को आधार बनाकर समय को नापना अवैज्ञानिक है। हमें गर्व है कि हम ईसाई कैलेण्डर से 57 साल आगे है। धीरे धीरे लोग ईस्वीं संवत् के मोहपाश से निकलकर भारतीय संवत् की गरिमा समझने लगे है, यह प्राकृतिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक मानदण्डों पर अधिक खरा है। भारत में विक्रमी संवत् आज सबसे अधिक प्रचलित है, यह प्रकृति के बहुत समीप है। उसके आरंभ के समय संपूर्ण प्रकृति में परिवर्तन दिखाई देता है । वृक्षों पर नये पत्ते, नये फूल खिल जाते है, प्रकृति में चारों ओर नवीनता छा जाती है। विक्रम संवत् के अनुसार ही स्कूल, विद्यालय, विश्वविद्यालय, न्यायालय चलते है। समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को वृहत् ज्वार या लघु ज्वार की कल्पना भारतीय संवत् के द्वारा ही मिलती है। अंग्रेजी संवत् से नहीं। भारतीय संवत् आज प्रभावशाली है, इसलिए हम स्वदेशी संवत् के महत्व को समझे और इसे अधिक महत्व देने का प्रयास करें।

52वीं सदी (विक्रम संवत् के अनुसार) के प्रवेश को हम पुनर्जागरण का युग बनाएं, आने वाला नया साल मानसिक दासता को दूर कर ''भारत के गौरव के साथ ही मेरा जीवन–जीवन है'' । इस सच को स्वीकार करने के साथ ही मेरा भारत अखिल विश्व में सुशोभित हो इतना प्रयास हम सभी सुधी पाठकों को अपने देश के लिए करना ही होगा।नव प्रतिपदा आपके जीवन में उल्लास, खुशहाली, सुख, स्वास्थ्य और अतुल संपदा लावे, इसी हार्दिक कामना के साथ....

''भारतीय नूतन वर्ष आपको मंगलकारी हो ।''

– साधना जैन,
आकाशवाणी उद्घोषिका, भोपाल

कु. सिम्मी जैन ने किया समाज को गौरवांवित।

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। विदिशा के प्रतिष्ठित परिवार श्री सनतकुमार सुमन जैन की सुपुत्री कु. सिम्मी जैन का म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सहायक संचालक (स्थानीय निधि) वित्त विभाग में चयन हुआ है। संभवत: हमारी समाज की यह प्रथम बालिका है जिसने छोटी सी उम्र में इतनी ऊंचाईयों को प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है।

कु. सिम्मी जैन ने अपनी प्राथमिक शिक्षा विदिशा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर स्नातक की उपाधि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी से प्राप्त की। तत्पश्चात सार्थक इंस्टीट्यूट विदिशा एवं जीटो दिल्ली तथा इन्दौर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रथम साक्षात्कार में ही 1500 से अधिक परीक्षार्थियों में 45वीं रेंक प्राप्त कर राज्य शासन में द्वितीय श्रेणी अधिकारी नियुक्त हुई है। आप इस उपलब्धि का श्रेय आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज एवं आर्यिका श्री तथामति माताजी के साथ अपने माता पिताजी एवं मामाजी श्री धरणेन्द्र कुमार एवं अतुल कुमार जैन को देती है, जिनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उन्हें यह मुकाम हासिल हुआ है।

सिम्मी जैन की उपलब्धि पर विदिशा समाज अध्यक्ष डॉ. सतीश जैन, उपाध्यक्ष जिनेश्वरदास जैन, संरक्षक इंजी के.के. जैन, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार जैन, डॉ. महेन्द्रकुमार जैन (बिस्किट), सहसचिव कमलेश कुमार जैन एवं गोलालारीय दर्शन के संवाददाता कन्छेदीलाल जैन ने उनके निवास पर जाकर श्रीफल एवं गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन कर समाज की ओर से हार्दिक बधाईयां दी।

इन्दौर समाज की ओर से समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, स्थायी न्यासी श्री राजेन्द्रकुमारजी 'सायकलवाले' एवं सचिव श्री बाहुबलीजी ने कु. सिम्मी जैन की उपलब्धि को गोलालारीय समाज के लिए गौरवशाली उपलब्धि बताया । उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ अनुरोध किया कि वे मार्गदर्शन देकर समाज के बच्चों को लाभान्वित करें।

समाज अध्यक्ष, सचिव, स्थायी न्यासी के साथ उपाध्यक्ष श्री विजयकुमार जैन, सहसचिव श्री सुरेशचंदजी, श्री नवीन पंचरत्न, श्री अनिल जैन (होजयरी) श्री राजेन्द्रकुमार जैन (सांईनाथ कालोनी), श्री निशांत जैन सोशल ग्रुप कोषाध्यक्ष, श्री नीरज जैन व गोलालारीय दर्शन के संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने कु. सिम्मी जैन को पुष्पकुंज प्रदान कर सम्मानित किया। ''गोलालारीय दर्शन'' परिवार की ओर से समाज की प्रतिभाओं को समाज से जोड़ने के प्रयासों से भी अवगत कराया । प्रतिवर्ष वार्षिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों व शासकीय व गैर शासकीय संस्थानों में कार्यरत प्रशासक, डॉक्टर, प्रबंधक एवं इंजीनियरो का सचित्र विवरण ''समाज गौरव'' में निरंतर प्रकाशित कर समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने का कार्य समाज का मुखपत्र पूर्ण जवाबदारी के साथ करता रहा है।

कु. सिम्मी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अपनी इस सफलता का श्रेय गुरुवर, माता पिता, मामाजी व अपने कोचिंग संस्थान को दिया। गोलालारीय दर्शन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आश्वस्त किया कि वे समाज को मुख पत्र के माध्यम से इस विषय में चाही गई जानकारियों व मार्गदर्शन के लिये वे सदैव उपलब्ध रहेगी। प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों के लिए आपके प्रश्न सादर आमंत्रित है तथा जिनका निराकरण आगामी अंक में सुश्री सिम्मी जैन के जवाबों से किया जावेगा।

संपूर्ण गोलालारीय समाज उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें लाखों बधाईयों के साथ शुभाशीष प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

सफलता पर हार्दिक बधाईयाँ

एन.एस.ई.बी. (नेशनल स्टेण्डर्ड एक्ज़ामिनेशन इन बॉयोलॉजी) की वर्ष 2011की राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में **कु. आरोही डॉ. राजेश कुमार–अंजू जैन,** भोपाल ने 316वीं रेंक प्राप्त की । इस परीक्षा में देशभर के 12600 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कक्षा 7वीं में अध्ययनरत **कु. आयुषी अनिल कुमार–सीमा जैन,** ललितपुर ने अंतर्राष्ट्रीय इन्फोमेटिक ओलम्पियाड वर्ष 2011 की परीक्षा में अपनी कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए राज्य स्तर पर 240वीं रेंक अर्जित की ।

कु. अर्पिता अरविन्द जैन जबलपुर एवं **कु. प्रिया प्रदीप कुमार जैन डोंगरगढ़ (छ.ग.)** ने चार्टर्ड एकाउण्टेंट की परीक्षा के प्रथम एवं द्वितीय समूह प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण करने पर 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

परामर्श प्रमुख

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221

डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक

राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

प्रबंध संपादक

राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972

खुशालचन्द जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

कोषाध्यक्ष –

सुधेश कुमार जैन, 9827254111

संयोजक –

बाहुबली जैन, 9827247847

सह संपादक

श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013

श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन
इन्दौर, 9009066884

क्षेत्रीय संवाददाता

विदिशा	श्री कन्छेदीलालजी जैन 9229670194
गंजबासौदा	श्री शांतिकुमारजी जैन 9425149105
भिण्ड	श्री राजकुमारजी जैन 9425130917
ग्वालियर	श्री नेमीचंदजी जैन 07512324409
	शाह राजमलजी जैन 9425364407
भोपाल	श्री प्रदीपकुमार जैन LIC 9826011191
ललितपुर	श्री शैलेषकुमार जैन 'पिन्टू' 9795211740
पन्ना	श्री अभिषेक जैन 'अभि' 9407348790
	डॉ. सन्मत जैन 9425167985

विशेष सहयोगी

पं. बाबूलालजी जैन 'फणीश', ऊन

श्री सुरेशचंदजी जैन स्कीम नं. 54, इन्दौर

श्री नवीनकुमार पंचरत्न, इन्दौर

श्री महेन्द्रकुमार जैन, न्यू देवास रोड़, इन्दौर

श्री विजयकुमार जैन, बियाबानी, इन्दौर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5000/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2000/–
आजीवन शुल्क	– 1000/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर भेजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम फुल पेज	3000/–
1/2 पेज	2000/–
1/4 पेज	1000/–
कॉलम	500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	500/–
शोक संदेश फोटो सहित	200/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	100/–

श्री दिगम्बर जैन ''गोलालारीय सेवा समिति'', अहमदाबाद के चुनाव संपन्न

अहमदाबाद, श्रेयांस जैन । श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय सेवा समिति, अहमदाबाद के चुनाव सर्वानुमति से निर्विरोध संपन्न हुए। अध्यक्ष श्री हीरालालजी की अध्यक्षता में सर्वानुमति से अध्यक्ष पद के लिये श्री जिनेन्द्रकुमारजी सेतुलालजी का चयन किया, तत्पश्चात **संरक्षक** श्री हुकमचंदजी पंचरत्न, श्री हीरालालजी, श्री देवेन्द्रकुमारजी भैयालालजी, **उपाध्यक्ष** श्री मुकेशकुमारजी, श्री अनिलकुमारजी, **महामंत्री** श्री श्रेयांसजी धमसैया, **सहमहामंत्री** श्री संजीवकुमारजी, **मंत्री** श्री महेशकुमारजी, श्री मुकेशकुमारजी, **संगठनमंत्री** श्री रमेशकुमारजी, **कोषाध्यक्ष** श्री योगेशकुमारजी, **परामर्शदाता** डॉ. शेखरचंदजी एवं श्री विनोदकुमारजी। **कार्यकारिणी सदस्य –** श्री अरविंदकुमारजी, श्री अजितकुमारजी, श्री दिनेशकुमारजी, श्री हरिशचंदजी, श्री महेन्द्रकुमारजी, श्री मुकेशकुमारजी, श्री प्रसन्न कुमारजी, श्री प्रदीपकुमारजी, श्री पवनकुमारजी, श्री संजीवकुमारजी, श्री सत्येन्द्रकुमारजी, श्री प्रदीपकुमारजी, श्री विजेन्द्रकुमारजी का चयन सर्वानुमति से हुआ।

पूर्व अध्यक्ष श्री हीरालालजी का निर्वाचित अध्यक्ष श्री जिनेन्द्रकुमारजी ने पुष्पहार से स्वागत कर उनका आभार व्यक्त किया । डॉ. शेखरचंद ने श्री हीरालालजी का गत वर्षों में समिति व समाज को समय समय पर अपनी सेवा सहकार देने पर उनकी प्रशंसा कर उनका दिल से आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित नये अध्यक्ष श्री जिनेन्द्रजी ने कहा हमारे पूर्व समाज श्रेष्ठियों द्वारा ली गई इमारत 'जैन भवन' समाज की एक बड़ी उपलब्धि है। 'जैन भवन' का नवनिर्माण शीघ्र अतिशीघ्र प्रारंभ करने की योजना बनाई जायेगी। भवन सर्वसुविधा युक्त समाज सेवा की भावना को ध्यान रखकर बनाया जायेगा। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि इस भागीरथ कार्य में समाजजनों द्वारा तन, मन एवं धन से सहयोग देकर योजना को पूर्ण करना ही हमारा एकमात्र उद्देश्य है। पूर्व अध्यक्ष व नवीन अध्यक्ष श्री जिनेन्द्रकुमारजी ने एकमत से कहा कि हमारे विचारों में विभिन्नता, मत–मतांतर भले हो परंतु हमारा एकमात्र लक्ष्य समस्त गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज का सभी क्षेत्रों में संपूर्ण विकास होना चाहिए।

समिति के उद्देश्यों पर डॉ. शेखरचंदजी ने बलपूर्वक कहा कि समिति सिर्फ तीन सूत्रीय कार्यक्रम को लेकर कार्य करेगी – 1. शिक्षा, 2. स्वास्थ्य एवं 3. आर्थिक रुप से कमजोर लोगों को सहायता करना । उपरोक्त सभी सेवाओं हेतु एक स्थायी फंड बनाया जायेगा। जिसका ब्याज इन सेवाओं पर खर्च किया जावेगा। फंड सदैव सुरक्षित रहेगा। स्थायी फंड के लिये समाजजनों ने उदार हाथों से तत्काल सहयोग दिया ।

सभी प्रकार के पूर्वाग्रह से मुक्त होकर गोलालारीय समाजजनों की सेवा कार्य करने हेतु सदैव तत्पर रहेगी। समिति के पुर्नगठन व उसके उद्देश्यों पर समस्त गोलालारीय समाज के अनेको सदस्यों ने हार्दिक बधाईयां प्रेषित की । समाजजनों ने समिति को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। समिति समाज की अखंडता व विकास के लिए कटिबद्ध है।

श्री जिनेन्द्रजी श्री श्रेयांसजी श्री योगेशजी श्री हुकुमचंदजी श्री हीरालालजी

श्री देवेन्द्रजी श्री मुकेशजी श्री अनिलजी श्री संजीवजी श्री महेशजी श्री मुकेशजी श्री रमेशजी डॉ. शेखरचंदजी

1008 श्री परमानंद दिगम्बर जैन मंदिर किरी मोहल्ला, विदिशा में भव्य वेदिका शिलान्यास समारोह संपन्न

त्रिखण्डीय 70 फीट उत्तुंग त्रय शिखरों से युक्त 1008 श्री परमानंद दि. जैन मंदिर (महावीर जिनालय) में भूतल, प्रथमतल एवं द्वितीय तल पर दिनांक 29/1/12 को कुल 7 वेदियों का शिलान्यास समारोह 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य एवं इस जिनालय के जीर्णोद्धार के प्रेरणा स्त्रोत परम पूज्य ऐलक श्री नि:शंकसागरजी महाराज के आशीर्वाद से अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बा.ब्र.श्री अशोक भैयाजी के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में तथा बा.ब्र. अनिल भैयाजी, अधिष्ठाता उदासीन आश्रम इंदौर एवं बा.ब. अविनाश भैयाजी भोपाल के द्वारा संपन्न कराया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री पवन कुमार जैन, जनरल मैनेजर बी.एस.एन.एल. भोपाल, विशेष अतिथि माननीय श्री विवेक जैन वन संरक्षक विदिशा, माननीय श्री दीपचंद जैन अध्यक्ष सकल दिगम्बर जैन समाज रायसेन तथा माननीय श्री फूलचंदजी जैन योगीराज रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती अंजना जैन के मंगलाचरण से किया गया तथा आमंत्रित अतिथियों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया।

जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष डॉ. पदम जैन एवं मंदिर कमेटी के ट्रस्टी चौधरी श्री कैलाशचंदजी सर्राफ, सकल दि. जैन समाज के अध्यक्ष श्री प्रकाशचंद सर्राफ एवं अरविंद जैन (हलाली कालोनी), राजेश जैन जनरल, मुकेश जैन बड़ाघर, इंजी. अशोक मानोरिया, इंजी. पी.सी. जैन पंचरतन, इंजी. वीरेन्द्र भंडारी, महेन्द्र कुमार निकासा, श्री ए.एल. फणीस, शैलेन्द्र चौधरी, एडव्होकेट लल्लूलालजी जैन एवं गोलालारीय जैन समाज विदिशा के अध्यक्ष डॉ. सतीश जैन ने सभी माननीय अतिथियों का तिलक लगाकर सम्मान किया।

माननीय फूलचंदजी योगीराज ने वेदी पुण्यार्जक परिवारों का तिलक करके सम्मान किया। वेदी का जीर्णोद्धार करने का सौभाग्य श्री पंकज कुमार गौरव कुमार जैन बड़ा घर, श्री सुरेशचंदजी, शांतकुमारजी, सतीशचंदजी, डॉ. पदम जैन, बसंतकुमार जैन बड़ाघर। श्रीमती शीला विमलचंदजी बरेठवाले, श्री सूरजमल आनंद कुमार जैन निकासा, श्रीमती सरला डॉ. सतीश जैन, श्री निर्मलकुमार इंजी. अशोक कुमार मानोरिया, श्री कुंदनलाल राजेश कुमार मानोरिया परिवार वालों को प्राप्त हुआ। इन सभी परिवार वालों को बा. ब्र. श्री दिलीप भैयाजी ने चांदी की कन्नी स्मृति स्वरुप भेंट की।

वेदी खनन का कार्य करने के लिए गेती, फावड़ा, तसला एवं कन्नी से क्रिया करने का सौभाग्य श्री कैलाशचंदजी जाखोरा, श्री महेन्द्रकुमार जैन, एकाउटेंट श्री सागरमलजी सोराई एवं श्री सुनील कुमार जैन पत्थरवालों ने प्राप्त किया।

शिलान्यास कार्यक्रम में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम का संचालन डॉ. महेन्द्र जैन (बिस्कुट), संयोजक जीर्णोद्धार समिति ने किया।

1008 चन्द्रप्रभु मंदिर ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

श्री अशोककुमारजी
अध्यक्ष

श्री प्रकाशचंदजी
मंत्री

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। दिनांक 18/12/11 को श्री 1008 चन्द्रप्रभु मंदिर ट्रस्ट, विदिशा के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुए। जिसमें इंजी. श्री अशोककुमारजी मानौरिया (ब्यूरो चीफ नवभारत भोपाल) को अध्यक्ष एवं श्री प्रकाशचंदजी हुसनापुरवालों को मंत्री पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। समाज के बंधुओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक बधाईयाँ।

*** सूचना ***

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्यादित इन्दौर की साधारण सभा दिनांक 18 मार्च 2012, रविवार को न्यास भवन 64, न्यू देवास रोड़ पर दोप. 12.30 बजे आयोजित होगी। सभी सदस्य सादर आमंत्रित है, साधारण सभा की सूचना सदस्यों को डाक द्वारा नियमानुसार प्रेषित की जावेगी।

अनुरोध – आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी व किसी भी धार्मिक, सामाजिक कार्यो में अपने समाज सदस्यों की सहभागिता है तो वह खबर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण समाचार है। ऐसी खबरों की सचित्र जानकारी हमे PDF/JPEG फाईल में अपना नाम व शहर का नाम लिखकर ई–मेल करें ।

बेटी है तो भविष्य है, जल है तो जीवन है।

इन्दौर । दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 16वां राष्ट्रीय अधिवेशन नवग्रह जिनालय के भव्य पांडाल में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। विगत 18 वर्षों से जैन समाज में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, पारमार्थिक व रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न देश विदेश के लगभग 275 ग्रुपों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के प्रतिनिधि के रुप में पधारें ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सेव डॉटर, सेव वॉटर (बेटी बचाओं, पानी बचाओं) पर फेडरेशन की सक्रिय सहभागिता अनुकरणीय व प्रशंसनीय है। साथ ही आश्वासन भी दिया कि जैन समाज को मिलने वाले अल्पसंख्यक दर्जे के लाभ में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जावेगी। सांसद सुमित्रा महाजन एवं महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे सहित अनेको गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

अधिवेशन का शुभारंभ 4 फरवरी को सायंकाल महाआरती के साथ हुआ, रात्रिकालीन सत्र में खुले मंच में अनेको वक्ताओं ने अपने विचार रखें, कई वक्ताओं ने समाज में देर रात्रि तक चलने वाले शाही भोज में लहसुन, प्याज एवं आलू के उपयोग का विरोध किया। सोशल ग्रुपों को सशक्त रुप से विजातीय विवाह का विरोध करना चाहिए और जो इसका पालन नहीं करे उन्हें किसी भी सामाजिक मंच पर सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए। बेटी बचाओ, पानी बचाओ, वृक्ष लगाओं व भ्रूण हत्या पर रोक लगाने जैसी अनेको ज्वलंत समस्याओं पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे । सत्र के अंत में विद्यासागर ग्रुप द्वारा मनोरंजक हास्य नाटक 'मौड़ी नहीं मिल रही' का मंच किया गया, जिसे सभी ने दिल खोलकर सराहा।

दूसरे दिन अधिवेशन की शुरुआत वीर बाहुबली ग्रुप (अध्यक्ष प्रियंक जैन) के द्वारा श्रीजी की आराधना के साथ हुई। ध्वजारोहण के पश्चात आगुन्तक अतिथियों का स्वागत संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंहजी कासलीवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निर्मल सेठी, महासचिव श्री कीर्ति पांड्या, कान्फ्रेंस चेयरमेन श्री राजेश जैन 'लारेल', कोषाध्यक्ष श्री टी.के. वेद व उ.प्र. रीजन अध्यक्ष श्री आलोक जैन झांसी ने किया।

संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंहजी कासलीवाल ने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए जनभावना के अनुरुप समाज की मुख्य मांग रखी कि हम जनसंख्या के आधार पर अल्पसंख्यक घोषित है, अत: केन्द्र सरकार की अल्पसंख्यकों की विभिन्न योजनाओं का लाभ मध्यप्रदेश के जैन समाज को भी मिले, जिसमें प्रमुख रुप से उच्च शिक्षा एवं कोचिंग के लिए अनुदान, तीर्थों की सुरक्षा एवं विकास हेतु सहयोग आदि सुविधाएँ जैन समाज को भी प्राप्त हो।

समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए अनेक ग्रुपों को पुरस्कृत किया गया। सबसे अधिक पुरस्कार 'इन्दौरनगर' को प्राप्त हुए, सीनियर सिटीजन ग्रुप को गर्मी में रेलवे स्टेशन पर जल वितरण व्यवस्था हेतु पुरस्कृत किया गया।

बेटी बचाओ, देश बचाओ की थीम पर आधारित फेडरेशन के 16वें महाअधिवेशन में देश विदेश से पधारें प्रतिनिधियों ने केन्द्र व राज्य सरकारों से सख्त कानून बनाकर व लोगों में जागरुकता अभियान चलाकर ही इस समस्या से जीता जा सकता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाये जा रहे बेटी बचाओ अभियान की प्रशंसा कर अनुरोध किया कि यह आंदोलन संपूर्ण विश्व में फैले।

बैनर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से ग्रुपों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने ग्रुप की गतिविधियों की जानकारी दी। अनेक ग्रुप ने भगवान महावीर स्वामी के साथ पर्यावरण व समाज सुधार के मोहक संदेशों से कार्यक्रम में पधारे लगभग 4000 लोगों के सम्मुख अपनी बात रोचक तरीके से रखी ।

गोलालारीय समाज के अनेक सदस्यों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इन्दौर, गंजबासौदा, ललितपुर, झांसी व उज्जैन से भी अनेक समाजजन सपत्नीक पधारे व अपने समाज की उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन हसमुख गांधी व कुसुम पांड्या ने किया।

*** आलोक जैन,** अध्यक्ष दि. जैन सोशल ग्रुप झांसी – सरकार और समाज की भागीदारी से घटती कन्याओं की समस्या दूर की जा सकती है। नुक्कड़ नाटकों के जरिये जनजागृति लाने के लिए हमारा संगठन झांसी क्षेत्र में काम करेगा।

*** कोमलचंद जैन,** अध्यक्ष गोलालारीय समाज, इन्दौर – ''बेटी नहीं तो कल नहीं'', इस बात को हम समाज में अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचायें ताकि हम बेटा बेटी का भेद न करके समान रुप से उन्हें शिक्षित करने का प्रयास करें।

*** श्री शांतिकुमार जैन,** अध्यक्ष दि. जैन सोशल ग्रुप मेन, गंजबासौदा – 'सेव डॉटर, सेव वॉटर' पानी बिना जीवन नहीं, उसी प्रकार बेटी बिना परिवार नहीं, इस नारे के साथ ही देश और समाज में भ्रूण हत्या के विचार में कमी आयेगी।

*** श्री प्रयंक जैन,** अध्यक्ष वीर बाहुबली ग्रुप – 'बेटी बचाओ क्योंकि बेटियां दो परिवारों को संभालती है। मां और पत्नी के रुप में परिवार व बच्चों को शिक्षित कर परिवार व समाज की उन्नति में सहायक होती है।

* हार्दिक बधाईयाँ *

श्री प्रदीपकुमार–मीना जैन, झांसी की सुपुत्री **कृति जैन** का शुभ विवाह चि. विक्रम कुमार जैन सुपुत्र श्री सत्येन्द्र–मीना जैन, जबलपुर के साथ संपन्न हुआ।

श्री अरविन्दकुमार–उषा जैन, इन्दौर के सुपुत्र **अंकेश जैन** का शुभ विवाह सौ.कां. अपूर्वा सुपुत्री श्री सुमनचंद–मीना जैन, ललितपुर के साथ संपन्न हुआ।

गोलालारीय दर्शन परिवार आपको नवदामपत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कर मंगलमय जीवन की कामना करता है।

अरनव जैन के जन्मोत्सव पर हार्दिक बधाई

श्री अशोककुमार–लीला जैन, दादा–दादी
श्री आशीष–प्रतिभा जैन, पापा–मम्मी
श्री जिनेन्द्रकुमार–जैनमति जैन, नाना–नानी एवं जरीवाला परिवार

काव्य एवं कुश के पांच वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

श्री रमेशचंद–विदी जैन, दादा–दादी
श्री आशीष–सोनल जैन, पापा–मम्मी
श्री सुरेन्द्र–पवन जैन, नाना–नानी
श्री संकेत–प्रियंका जैन, मामा–मामी

प्रसंग जैन के जन्मोत्सव पर हार्दिक बधाई

डॉ. महेन्द्र–चन्द्रप्रभा जैन, दादा–दादी
हिमांशु–शुभम जैन, पापा मम्मी एवं समस्त परिवार

सिदेश जैन जन्मोत्सव पर हार्दिक बधाई

श्रीमती चंदा जैन, दादी
श्री निशांत–रेशु जैन, पापा–मम्मी एवं समस्त परिवार

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

अगर न बची 'लाली'

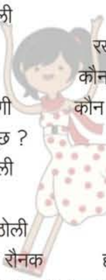

क्या होली, दिवाली
क्या राखी
क्या भाईदूज
गर बेटी ही न होगी
तो किसकी होगी पूछ ?
कैसी होगी वो होली
जिसमें न हो
देवर–भाभी की ठिठोली
कैसे होगी दीवाली की रौनक

जब बहू न होगी
रखने को द्वार पर दीपक
कौन बाँधेगा कलाई पर राखी
कौन लगायेगा माथे पर तिलक
न मिलेगी घरवाली
और न साली
अगर
आज न बची
हमारे घर में 'लाली'।

(ब्रज भाषा में 'बेटी' को 'लाली' कहा जाता है।)

– अनुपमा जैन, सहसंपादिका

नियुक्ति पर बधाईयाँ

श्री अशोक कुमार जैन (जज साहब) को श्री दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद इन्दौर की संविधान संशोधन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है, आप समाज के वरिष्ठ सदस्य है।

श्री अरविन्द कुमार जैन (एडवोकेट) को श्री दिगम्बर जैन समाज सामाजिक ससंद इन्दौर में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। आप परदेशीपुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष एवं अ.भा. गोलालारीय परिषद में इन्दौर समाज के प्रतिनिधि है।

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप की साधारण सभा में सर्वानुमति से अध्यक्ष **श्री राजेश कुमार जैन 'सायकलवाले'** एवं मंत्री **श्री अनुभव जैन 'सोनू'** को चुना गया।

क्या अंतरजातीय विवाह समाज को पतन की ओर ले जा रहे हैं?

जातीय व्यवस्था के गंभीरतम प्रश्न का उत्तर जानने के लिये हमे इस जंगम जगत की प्राणी व्यवस्था में प्रचलित जातीय संगठन को जान लेना हितकारी होगा।

जैन आगम अनुसार जीव अर्थात आत्मा समस्त स्थावर एवं त्रस संरचना में पाई जाती है. प्रत्येक जीव को प्राप्त शरीर एक यौगिकीय संरचना है, अर्थात दो या दो से अधिक पदार्थ, निश्चित दाब, निश्चित ताप और निश्चित काल (समय) में एक पृथक एवं स्वतंत्र यौगिक की रचना करते है। जो कि अपने मूल पदार्थों से सर्वथा भिन्न होता है। यहां ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि पदार्थ, दाब, ताप एवं काल में मामूली सा भी परिवर्तन मूल यौगिक अर्थात बीज अर्थात आत्मा या जीव को प्राप्त शरीर का संपूर्ण यौगिकीय चरित्र बदल देता है, इसके साथ ही रुप एवं गुण धर्म भी बदल जाते है, यह सर्वथा वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक व्यवस्था है।

हम जानते है सभी अनाज स्वयं के रुप गुणानुसार एवं औषधीय तत्वों से युक्त विभिन्न प्रकार के हैं जो अपने जातिगत नामों से पुकारे जाते है, गेंहूँ – कठिया, शरबती, लोकवान आदि नामों से जाना जाता है और प्रत्येक में अपना औषधीय गुण है। इसी प्रकार चावल – लांजी, कालीमूंछ, बासमती, सेला आदि। फलों में आम – हापुस, दशहरी, बादाम इत्यादि सभी के अपने गुण है। ध्यान दें प्रकृति में वनस्पति पौधों में निषेचन हवा, पानी अथवा वाह्य प्राणियों द्वारा निष्पादित किया जाता है। किन्तु प्रत्येक वान स्पतिक पुष्प स्वयं की जाति के पुष्प अर्थात परागकण से निषेचित होता है और स्वयं की यौगिकीय संरचना का आकार (फल अथवा पौधा अथवा बीज) ग्रहण करता है। खुले में निषेचन अर्थात प्राकृतिक रुप से निषेचन होने के बावजूद विजातीय पुष्प के परागकण अन्य पौधे के पुष्प को निर्वचित नहीं करते और इस प्रकार किसी भी वनस्पति अर्थात फल या बीज का रुप, आकार, गंध एवं औषधीय गुण लगातार पीढ़ी दर पीढ़ी हजारों लाखों वर्षों तक सुरक्षित रहता है और इस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष के बावजूद भी प्रत्येक बीज या जीव की जातीय सत्ता कायम रहती है।

पुशओं में भी जातीय व्यवस्था को इसी प्रकार समझा जा सकता है, गाय तथा भैंसों की कई जातियां है और प्राकृतिक रुप से स्वयं की संतान अर्थात जातीय संतान ही पशु उत्पन्न करते हैं जिससे उनकी जाति, दूध की गुणवत्ता एवं औषधीय तत्व सभी सुरक्षित रहते है।

आजकल दुधारु पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान का प्रचलन है अर्थात एक जाति की गाय को दूसरे जाति के नर बुललॉक से कृत्रिम तरीके से गर्भाधान कराया जाता है। नतीज़ा – दूध के स्वाद एवं पोषक तत्व नष्ट हो जाते है ऐसे दूध से प्राप्त घी में कोई औषधी तत्व नहीं। बछड़ा अथवा बछड़ी का रुप और शारीरिक (यौगिकीय) संरचना में बदलाव आ जाता है यहां तक कि शारीरिक गंध में बदलाव आ जाने से परिपक्व अवस्था में देशी मूल का नर या मादा नज़दीक नहीं आता, ऐसा बछड़ा (संकर जाति का) अपने पिता (आर) अथवा माता (मादा प्राणी) किसी का भी प्रतिनिधि नहीं होता। वह कुल परम्परा का न तो पोषक है और न वाहक। और वह मां जिसे कृत्रिम तरीके से निषेचित किया गया था अपनी कोख की स्वाभाविक ऊर्जा को आगामी कई वर्षों के लिये नष्ट कर देती है।

मनुष्यों में वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था कृत्रिम अथवा बाहर से थोपी हुई नहीं है, यह प्राकृतिक है। हम धर्म से एक हैं लेकिन जातियां अलग अलग है।

चौरासी लाख योनियों में मनुष्य जन्म अतुलनीय श्रेष्ठ है तो इसीलिये कि मनुष्य होने के नाते ज्ञान के बल पर हमने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठता सिद्ध की है। पशु आज भी जंगल, गुफाओं और कन्दराओं में रहते हैं और मनुष्य के रहने के स्थल नई ऊंचाईयां ले रहे हैं। पंचइन्द्रियों के भोग भी श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हों तो कुछ गलत नहीं। किन्तु ये भोग प्रकृति विरुद्ध नहीं होना चहिए। पंच महापापों में 'कुशील' भी एक महापाप है। कुशील का तात्पर्य मात्र परायी स्त्री से व्याभिचार अथवा विधर्मी से विवाह अथवा मात्र वेश्यागमन ही नहीं है बल्कि जाति संस्था से बाहर जाकर ब्याह रचना भी 'कुशील' की श्रेणी में आता है। सच्चे श्रावक अथवा श्राविका बने रहने के लिये आपको जाति समूह में शादी ब्याह रचाने होंगे। तभी आप मुनिजनों को आहार दान देने के पात्र होंगे और 'श्री' जी का अभिषेक भी आप श्रावक रहते सपन्न कर सकेंगे।

जाति अन्तर्गत ब्याह करने से न केवल आप धार्मिक एवं सच्चे श्रावक बने रह सकते हैं बल्कि आप विभिन्न प्रकार के यौन रोगों से भी मुक्त रहेंगे, यहां तक कि जाति समूह में शादी करने से व्यक्ति की संतान उत्पादक क्षमता पीढ़ी दर पीढ़ी अक्षुण्य बनी रहेगी। वंश, कुल, परम्परा और श्रावकपना भी अक्षुण्य रहेगा। इसीलिये पूर्ण विश्वास से कहा जा सकता है कि – ''अंतरजातीय विवाह समाज को मात्र पतन की ओर ही ले जा रहे है''।

– राजकुमार जैन करैरावाले
शेरपुरा, विदिशा

1008 श्री भगवान महावीर स्वामी के 2611 वीं जन्म जयंती पर.....

वह शांति दूत बन आया था।

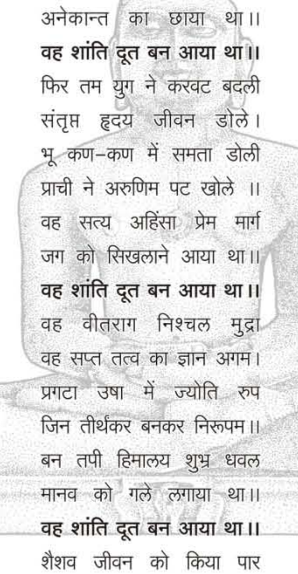

हिंसा में उलझे जीवन को
नय से सुलझाने आया था।
वह शांति दूत बन आया था,
फैली हिंसा से त्राहि–त्राहि
गर्दन पर आरी चलती थी।।
पाखण्डी दानव के द्वारा
मानव की होली जलती थी
जब पाप काण्ड को देख तुरत
अंधेर मिटाने आया था।
वह शांति दूत बन आया था।
वह वन विहार का कुण्डलपुर
सिद्धार्थ नृपति के राज भवन।
जन कोटि–कोटि के नयनों में
चमके त्रिशला माँ से वरनन्दन।।
धन्य। चैत्र शुक्ल तेरस का दिन
जग–जन–मन को हर्षाया था।
वह शांति दूत बन आया था ।।
प्रभु पद नख निर्झर तट से
सब एक घाट पीते पानी
सब बैर वर्ग का भेद मिटा
दी स्याद्वाद नूतन वाणी।
घर घर में नारा विश्व धर्म का
अनेकान्त का छाया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।
फिर तम युग ने करवट बदली
संतृप्त हृदय जीवन डोले।
भू कण–कण में समता डोली
प्राची ने अरुणिम पट खोले।।
वह सत्य अहिंसा प्रेम मार्ग
जग को सिखलाने आया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।
वह वीतराग निश्चल मुद्रा
वह सप्त तत्व का ज्ञान अगम।
प्रगटा उषा में ज्योति रुप
जिन तीर्थंकर बनकर निरुपम।।
बन तपी हिमालय शुभ्र धवल
मानव को गले लगाया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।
शैशव जीवन को किया पार
जब युवा अवस्था में आये।
कौटुम्बिक ममता
छोड़ छाड़
ले लक्ष्य विश्व हित को धाये।।
''खुद जियो और जीने भी दो''
यह मंत्र सिखाने आया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।
निज के बंधन को कांट छाट
औरों के बंधन काट सका
निज आत्मिक शक्ति प्रदर्शन से
आलोक निरन्तर ज्ञान जगा
दृग–ज्ञान चरण के संगम से
धर्मामृत पान कराया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।
मैं पतित वीर पावन तुम हो
अरिकर्म बली को नष्ट करो।
ओ! महावीर फिर से आकर
पथ भूलों का उद्धार करो।
निर्ग्रन्थ प्रभु को नम्न 'फणीश'
समता का दीप जलाया था।।
वह शांति दूत बन आया था।।

– पं. बाबूलाल फणीश शास्त्री, एम.ए. साहित्यालंकार, पावागिरी ऊन, जिला खरगोन (म.प्र.)

✻ अखिल भारतीय कला संस्कृति साहित्य विद्यापीठ मथुरा (उ.प्र.) द्वारा साहित्यालंकार (वाचस्पति से सम्मानित रचना)

पाठको की कलम से ...

आप अंक बराबर भेज रहे हैं, इसके लिए आभारी हूँ। गोलालारीय समाज अब दो चार स्थानों पर केन्द्रित न रहकर जगह जगह बिखर गया है। ऐसे में एक ऐसे पत्र की बेहद जरुरत थी जो सबको आपस में संपर्क में बनाये रखे और जरुरी सूचनाएँ मुहैया कर सके। मैं उम्मीद करता हूँ, आपके प्रयत्न और आपका यह अखबार गोलालारीय समाज के लिए एक स्थायी दीपस्तम्भ का कार्य करेगा। अखबार का कागज, मुद्रण अत्यंत स्तरीय है। हिन्दी और खासकर जैन अखबारों के प्रूफ में जो असह्य त्रुटियां होती है उनसे भी आपने इस अखबार को बचाया है। बधाई।

– डॉ. जयकुमार जलज, रतलाम

'गोलालारीय दर्शन' द्वारा विद्यार्थियों और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन स्वरुप किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। गतवर्ष प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त छात्रों के चित्रों और उनकी विशेष उपलब्धियों का प्रकाशन तो प्रशंसनीय था ही, साथ ही उनके प्रोत्साहन और सम्मान स्वरुप वितरित किये गये प्रशस्ति–पत्र निस्संदेह स्वागत योग्य है। प्रशस्ति–पत्र का मुद्रण, प्रारुप आदि अत्यंत स्तरीय है। ऐसे सत्प्रयास हेतु आपको साधुवाद। एक सुझाव प्रेषित करना चाहती हूँ कि पत्र में बाल और युवा प्रतिभाओं की रुचि संवर्धन हेतु कुछ स्तंभ प्रारंभ किये जायें जिससे पत्र में उनका योगदान बढ़े और उनके विचारों से भी समाज अवगत हो सके।

– कु. आयुषी जैन, स्कीम नं. 74, इन्दौर

मृत्युभोज सर्वथा अनुचित

''जीते जी हम जरुरतमंदों को खिला न पाये,
मरने पर भरे पेटवालों को भरपूर खिलाया गया।''

ये व्यथा मरने वाला व्यक्ति आकर बता नहीं सकता लेकिन उसके मरने पर दिये गये मृत्युभोज को देखकर उसकी व्यथा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। जैन दर्शन को उठाकर देखे तो मृत्यु भोज देने का कहीं कोई प्रमाण नहीं मिलता है, न ही हमारे दर्शन में इसका कोई औचित्य है। जैन दर्शन के सिद्धांत कभी भी अतार्किक नहीं होते हर सिद्धांत के पीछे कुछ पुख्ता तर्क है। किन्तु मृत्युभोज का कहीं कोई तर्क या प्रमाण है ही नहीं। पहले हम यह विचार करें कि प्रथा या रीति क्या होती है, प्रथा या रीति किसी घटना विशेष या प्रसिद्ध व्यक्ति के द्वारा की गई कोई क्रिया से जुड़ी होती है। कभी कोई घटना घटी और वह लोगों को रुचिकर या अरुचिकर लगी तो लोग उसका अनुशरण करने लगते है एक प्रसंग से इसे आसानी से समझा जा सकता है। राजमार्ग पर राजा की सवारी आना थी, मार्ग पर गंदगी देख मंत्री सकपका जाता है, सफाई करवाने का समय न होने से गंदगी को मंत्री फूलों से ढंक देता है। राजा फूलों को ढेर देख मंत्री से वस्तु:स्थिति जानकार बोलते है कि आप विवेकशील होकर यदि इस प्रकार का कार्य करेंगे तो सामान्य जन इसे एक परम्परा बना लेंगे। आशा है आप समझ गये होंगे कि मृत्युभोज का आयोजन हम क्यों कर रहे है। वैष्णव धर्म में ब्राह्मणों को मृत्यु भोज दिया जाता है ताकि वह उनके पितरो की आत्मा की संतुष्टि हो जाये परन्तु हमारे दर्शन के अनुसार आत्मा तीन घड़ी पश्चात ही नया शरीर धारण कर लेती है और वहां भी आहार ग्रहण करने लगती है तो भला हम किसकी आत्म संतुष्टि के लिये मृत्युभोज देते है। क्या हमें हमारे अपने की मृत्यु की प्रसन्नता है जिसके लिये भोज देकर हम खुशी मनाते है, या फिर यह तर्क कि उनकी जिंदगी अच्छी निकल गई, मृत्यु भी अच्छी हुई इस खुशी में भोज देते हैं तो मरने वाले की जिंदगी में ही जरुरतमंदों को खिलाकर उनके जीते जी ही हम उन्हें खुशी क्यों नही देते है? अपने संबंधी की मृत्यु से वैसे ही परिजन दुखी होते है उस पर उन पर पूरे समाज को भोज देने का अनावश्यक बोझ आ जाता है। वह व्यक्ति भोज का इंतजाम करे या फिर अपने परिवार वालों का ढाढस बंधाये यह हमें विचार करना चाहिए, थोड़ा सा विवेकपूर्वक सोचेंगे तो अपने आप ही इस भोज की सच्चाई हमारे सामने होगी तब आप भी हमारे साथ होंगे और साथ दे रहे होंगे मरने वाले परिवार का, न की उसके मृत्यु भोज के आयोजन का।

– अर्चना जैन, सहसंपादिका

जी हाँ यही देवालय है

हाले दिल
बयाँ करो
चाहे जहाँ?
नहीं,
यहाँ करो
खुशी खुशी
जिया करो
और कहीं?
नहीं,
यहीं पर ही
हृदयंगम
किया करो,
जिंदगी के
हालातों से
इंसानी
जज्बातों से
घायल हुए हो?
तो अमृतपान
और कहीं?
नहीं
यहीं पर ही
किया करो,
यहीं पर है
''शाँति''
दूर होती है
मन की
भ्रांति
इसे ही
देवालय
कहते हैं
यहीं पर ही
हमारे ही
नहीं
तुम्हारे भी
प्रभू
रहते हैं
मन मंदिर
भी
इसे ही
कहते हैं,
कहीं भी रहो
कैसे भी रहो
सच्चाई पर
चला करो,
अपने साथ
सबका ही
भला करो
यही साथ
जाएगा,
और कुछ
हाथ
नहीं आएगा,
इसी लिए
हमेशा ही
ऐसे काम
करो
मरो तो अमर
हो के मरो,
हाले दिल
बयां करो
चाहे जहाँ?
नहीं।
यहाँ करो
क्योंकि यही
देवालय है
इससे ऊँचा
कहाँ
हिमालय है
जी हाँ
यही
देवालय है।

– इन्द्रकुमार जैन
बाकलवाले, इन्दौर

हकीकत तो ये है

जो हरदम ही मौत से डरते रहते हैं,
उन्हें कायर कहते हैं,
जो बूढ़े होने पर भी जीने की इच्छा रखते हैं,
उन्हें रिटायर कहते हैं,
जो जिंदगी में कुछ न कुछ कर ही जाते हैं,
उन्हें हायर कहते हैं,
जो जिंदगी भर कुछ भी नहीं कर पाते ,
उन्हें जीते जी एक्सपायर कहते हैं।

श्री गोलालारीय सोशल ग्रुप की बैठक संपन्न।

अपनों के साथ, अपनी बातें....

इन्दौर, अंचल जैन। श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप की बैठक ग्रुप अध्यक्ष श्री राजेशकुमार जैन 'सायकलवालों' की अध्यक्षता में गोम्मटगिरी पर मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुई तत्पश्चात सभी सदस्यों ने भक्तिभाव पूर्वक भक्तामर पाठ का वाचन किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने ग्रुप के विकास, आगामी कार्यक्रमों व ग्रुप की महत्ता पर अपने विचार रखे। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने ग्रुप की गतिविधियों को रोचक बनाने पर बल दिया। वरिष्ठ सदस्य श्री अशोककुमारजी (जज) ने ग्रुप को परिवारों के आपसी मेलजोल का अच्छा माध्यम बताया, जहां समाज विकास के साथ हम व्यक्तित्व विकास की गतिविधियां भी आयोजित कर सकते है। इस अवसर पर उन्होंने 10 हजार रुपये एवं समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने 5 हजार रु. की सहयोग राशि प्रदान की। गोलालारीय दर्शन की ओर से वर्ष 2011 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये। प्रशस्ति पत्र के प्रकाशन में श्री अजयकुमार एवं श्री अरविंदकुमार जैन ने विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया । ग्रुप सचिव अंचल जैन ने उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट कर भविष्य में सदस्यों द्वारा इसी तरह सहयोग देने का अनुरोध किया।

1008 श्री चन्द्रप्रभु भगवान का कल्याणक महोत्सव संपन्न

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन ।1008 श्री चन्द्रप्रभु भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव पौष कृष्ण 11 तदनुसार 21 दिसम्बर 2011 को 108 मुनिश्री अनुभवसागरजी के सानिध्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। प्रात:काल की बेला में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, मूलनायक श्री चन्द्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक संपन्न किया गया। तत्पश्चात सामूहिक पूजन का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

सभी क्रियायें प्रतिष्ठाचार्य डॉ. महेन्द्र जैन (बिस्किट) द्वारा संपादित करवाई गई। इस कार्यक्रम में विशेष रुप से श्री अशोककुमार मानोरिया (अध्यक्ष), श्री प्रकाशचंद हुसनापुर (मंत्री), डॉ. पद्मचंद (पूर्व अध्यक्ष), श्री अरविंद कुमार (हलाली), डॉ. एम.सी. जैन, श्री हुकमचंद जैन, श्री प्रदीप चौधरी, श्री मुलायमचंद जैन, श्री प्रेमचंद जैन दुर्गानगर, श्री किशनचंद जैन, श्री शैलेन्द्र कुमार जैन, श्री देवेन्द्रकुमार जैन, श्री कन्छेदीलाल जैन, श्री रवीन्द्र जैन आदि उपस्थित थे।

दोपहर में चंद्रप्रभु महिला मंडल द्वारा भगवान के पालना का कार्यक्रम संपन्न किया गया। शाम को नवयुवक मंडल द्वारा सामूहिक आरती का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसी तारतम्य में रविवार दि. 25/12/11 को मंदिर ट्रस्ट, चंद्रप्रभु महिला मंडल एवं प्रगति आर्थराइटिस रिलीफ केन्द्र उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल घुटना दर्द राहत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 230 मरीजों के घुटनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण कार्य उदयपुर से पधारें डॉ. मिथलेश कुमार द्वारा निशुल्क किया गया एवं 45 मरीजों को उक्त केन्द्र द्वारा रियायती मूल्य पर कैलिपर्स प्रदान किये गये।

सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी पर नववर्ष का स्वागत भक्तों ने भक्तिभाव के साथ किया।

पवागिरी, विनोद भैया बैरागी। आचार्य श्री 108 नेमीसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य नेमिगिरी तीर्थ के प्रणेता एवं तंत्र मंत्र के ज्ञाता आचार्य श्री 108 दयासागरजी महाराज का पावागिरी सिद्धक्षेत्र में मंगल प्रवेश हुआ। सिद्धक्षेत्र की समस्त कार्यकारिणी के साथ आसपास के क्षेत्रों के अनेकों श्रावकों ने पूर्ण भक्तिभाव के साथ आचार्यश्री की आरती कर पादप्रक्षालन कर मंगल प्रवेश कराया।

आचार्यश्री का केशलोच वर्ष के अंतिम दिन प्रात:काल की बेला में संपन्न हुआ। जिसको देखकर समस्त भक्तगण अभिभूत हो गये। रात्रि में 108 श्री विद्यासागर जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा 'लकडहारा' नाटक का मंचन कर दर्शकों को 'लोभ पाप का बाप है' का संदेश दिया।

पुष्पेन्द्र जैन एंड पार्टी, टीकमगढ़ की शानदार प्रस्तुति से भक्तगण झूम उठे। भक्तामर मंडल न्यू देवास रोड़, इन्दौर की मंडली ने संगीतमय प्रस्तुति से भगवान आदिनाथ भगवान की महिमा का वर्णन किया। नये वर्ष के आगमन पर रात्रि 12 बजे भोंयरे में विराजमान श्री 1008 पार्श्वनाथ स्वामीजी की 1008 दीपकों से आरती ने सभी भक्तों को रोमांचित कर दिया। 108 आचार्य श्री दयासागरजी महाराज ने भक्तो को नववर्ष पर मौन आशीर्वाद प्रदान किया।

नववर्ष के प्रथम दिन 1008 श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के आयोजन पश्चात आचार्य श्री ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों के करने से जन्मों जन्मों के पाप कट जाते है। उन्होंने बताया कि नेमीगिरी तीर्थ क्षेत्र पर दि. 14 मार्च 12 से 19 मार्च 12 तक विश्व इतिहास में पहली बार 24 रथ, 24 भगवान के माता पिता, 24 सौधर्म इंद्र, 24 कुबेर एवं 24 मंदिरों के 96 श्रीजी की प्रतिमाओं को अधर में विराजमान किया जावेगा। संचालन नितिन भैया खुरई, संघ संचालिका राधा दीदी, सलाहकार सुमत जैन शास्त्री नागपुर ने किया।

हमारे संगठन, हमारी शक्ति.....

जबलपुर गोलालारीय समाज का संगठन 'दिगम्बर जैन गोलालारीय नवयुवक सभा' के नाम से अपनी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां वर्षो से संचालित करता रहा है। जबलपुर संगठन ने दो बार युवक–युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन कर संपूर्ण भारत में अपने संगठन की अलग ही पहचान बनाई है। हम आपको जबलपुर समाज के अध्यक्ष व सचिव का संक्षिप्त परिचय देते हुए यह जानेंगे कि इनके मन समाज के लिए क्या सपने है तथा क्या है उनकी आगामी योजनायें।

अध्यक्ष – अरविन्द कुमार जैन 'बाकलवाले', 15 वर्ष पूर्व समाज से जुड़े। प्रारंभ के 10 वर्षो तक कोषाध्यक्ष के रुप में कार्य किया । वर्ष 2008 से अध्यक्ष पद पर कार्यरत ।

सचिव – डॉ. सुनील कुमार जैन, वर्ष 1997 से नवयुवक सभा से जुड़कर संगठन के कार्यो को संपादित करा वर्ष 2002 से महासचिव पद पर कार्यरत।

वर्ष 2001 में आयोजित गोलालारीय समाज के प्रथम युवक युवती सम्मेलन में सौंपी गई समस्त जिम्मेदारियों को समाज सदस्यों के सहयोग से पूर्ण किया। वर्ष 2009 में हमारी संस्था ने पुन: युवक–युवती परिचय सम्मेलन कराया जिसमें देश के कई प्रांतों से पधारें समाजजनों ने काफी सराहा। हमारा विचार है कि इस प्रकार के आयोजन एक नियमित अंतराल से किसी ना किसी शहर में नियमित रुप से आयोजित होते रहना चाहिए। विवाह संबंध गोलालारीय समाज में ही हो इसके लिए हम सभी को पूर्ण प्रयास करना चाहिए । इस बारे में राष्ट्रीय कार्यकारिणी को उचित कार्ययोजना शीघ्र ही बनाना चाहिए।

जबलपुर में मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समाज के लिए भूमि क्रय करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है, साथ ही समाज के निशक्तजनों के उत्थान व उनके बच्चों की शिक्षा संबंधी सभी आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए समाजजनों को यथासंभव प्रयास करना चाहिए।

प्रत्येक नगर में 'गोलालारीय समाज' का गठन अवश्य होना चाहिए तथा उनके प्रतिनिधि वर्ष में एक–दो बार मिलकर समाज उत्थान के लिए कार्ययोजना बनायें तभी सही मायनों में हम उन्नति कर पायेंगे।

अनुरोध

आपके नगर में गोलालारीय समाज का संगठन है तो उनके अध्यक्ष एवं सचिव के फोटो संक्षिप्त जानकारी के साथ व समाज के लिए उनके मन में क्या योजना है उसका विवरण हमें लिख भेंजे। हम आगामी अंको में उनके विचार प्रकाशित कर समाज को अवगत करायेंगे।

गोलालारीय समाज अब वेबसाईट पर भी.....

गोलालारीय समाज की वेबसाईट www.golalariya.com में प्रत्येक नगर के संगठन की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की सचित्र जानकारी समाहित की जा रही है। आपसे सादर अनुरोध है कि आपकी जानकारी में अपने समाज के मुनिराजजी, माताजी, आर्यिकाजी, विद्वान एवं साहित्यकारों की संपूर्ण जानकारी हमें सचित्र भेजें। देश-विदेश में सरकारी एवं निजी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी, प्रबंधक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट व कंपनी सेक्रेटरी इत्यादि की जानकारी सचित्र भेजें ताकि समाज की इन प्रतिभाओं का हम उचित सम्मान कर उनका परिचय संपूर्ण समाज से करा सके। संपर्क - बाहुबली जैन, 98272-48748

तीर्थ क्षेत्र पावागिरीजी के चुनाव संपन्न

बबीना । विनोद भैया बैरागी, श्री 1008 सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी पर परम संरक्षक, समाजसेवी मुख्य चुनाव अधिकारी श्री कैलाशचंदजी जैन 'दैनिक विश्व परिवार' झांसी व एडवोकेट श्री अजितकुमार जैन तालबेहट के निर्देशन में क्षेत्र की प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष पद पर ठेकेदार श्री ज्ञानचंद जैन पुरा, मंत्री श्री जयकुमार जैन कंधारीकला, कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचंद जैन नयाखेड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री शिखरचंद जैन 'मास्टर' कनिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सौरभ जैन कडेसरा, संयुक्त मंत्री श्री पुष्पेन्द्र जैन 'बिरधा', उपमंत्री श्री आनंद जैन कक्का बबीना, प्रचार मंत्री श्री विनोद भैय्या बैरागी व आय व्यय निरीक्षक श्री अखिलेश जैन गुंदेरा व सिंघई श्री सुमत जैन पवाजी को नियुक्त किया गया। ग्यारह कार्यकारिणी सदस्य भी बनाये गये। क्षेत्र के संरक्षक शिखरचंद जैन, राजकुमार जैन 'पवा', प्रवीण जैन 'पत्रकार' संपादक दैनिक विश्व परिवार, झांसी, सिंघई ऋषभ जैन झांसी, नवीन जैन टेहरका का विशेष सहयोग रहा। निर्वाचित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने क्षेत्र के विकास हेतु शपथ ग्रहण कर तन, मन, धन से सहयोग करने का संकल्प लिया। नवीन अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद जैन 'ठेकेदार' ने सभी सदस्यों को तिलक लगाकर आभार व्यक्त किया।

विशेष अनुरोध

महावीर जयंती का पावन पर्व को हम सभी धूमधाम पूर्वक मनाते आये है। हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि आप अपने नगर में महावीर जयंती पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेवें। अपने नगर में प्रभात फेरी, जुलूस, नाटक, कवि सम्मेलन व अन्य धार्मिक व सामाजिक परिचर्चा के आयोजन में भी योगदान देवें। ऐसे समस्त कार्यक्रमों के समाचार एवं फोटो हमें 10 अप्रैल तक भेजें ताकि आपके नगर की गतिविधियों को समाज के मुखपत्र में प्रकाशित कर संपूर्ण गोलालारीय समाज के सम्मुख रख सके।

विशेष आग्रह

इन्दौर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महावीर जयंती के भव्य चल समारोह में अपनी सहभागिता के लिए दोपहर 2.30 बजे इतवारिया बाजार स्थित श्री नवीन कुमार पंचरत्न के निवास पर एकत्रित होकर अपने समाज बैनर के तले चल समारोह में भाग लेकर एकजुटता का परिचय देवें। हमारा अनुरोध है कि आप अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समाज को अवश्य ही गौरवांवित करेंगे।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रीमती अरुणा जैन धर्मपत्नी श्री महेन्द्रकुमार जैन (राजेश आटो पार्ट्स), इन्दौर का स्वर्गवास 31 जनवरी 2012 को अल्पआयु में हो गया। आप गोलालारीय समाज की महिला मंडल की प्रमुख सदस्या के साथ समाज मंदिर मे मुख्य रुप से जुड़ी थी। आपकी रुचि धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में विशेष रुप से रहती थी। समाज मंदिर पर पर्यूषण पर्व पर बच्चों को शुद्ध सात्विक भोजन की व्यवस्था में आपका विशेष योगदान रहता था। आपने कई निर्धन छात्रों की पढ़ाई हेतु आर्थिक सहयोग भी दिया।

श्रीमती लीलादेवी जैन धर्मपत्नी श्री जिनेन्द्र कुमार जैन (सूतवाले) इन्दौर का अल्प बीमारी के पश्चात निधन हो गया। विगत 5–6 वर्षो से दशलक्षण पर्व पर श्री दिगम्बर जैन शांतिनाथ मंदिर, न्यू देवास रोड़ पर दस दिनों तक 100–150 विद्यार्थियों की, जो अपने शहर–गांव से आकर इन्दौर में पढ़ाई करते हैं उनकी शुद्ध भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था करती थी। आप न्यू देवास रोड़ दि. जैन महिला मंडल की संरक्षक एवं सामाजिक, धार्मिक संगठनों व मंडलों के विभिन्न पदों पर रही।

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, श्री गोलालारीय महिला मंडल 'स्तुति', न्यू देवास रोड़ दिगम्बर जैन महिला मंडल एवं गोलालारीय दर्शन परिवार आपके निधन पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण
घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

29 फरवरी 2012

अनुरोध – 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में आगामी अंक से उन सभी सहयोगी दानदाताओं का सचित्र परिचय प्रकाशित किया जाना है जिन्होंने शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक व विशेष सहयोगी के रुप में इस पत्रिका के लिए धनराशि प्रदान कर हमारे इस छोटे से प्रयास को संबल प्रदान करा है।

****

॥ माँ...॥

* माँ हिमालय की तरह ऊंची है, पर हिमालय की तरह कठोर नहीं। माँ सागर की तरह गहरी पर सागर की तरह खारी नहीं। माँ वायु की तरह गतिशील है पर वायु की तरह अदृश्य नहीं। माँ परमेश्वर की तरह महान है पर परमेश्वर की तरह दुर्लभ नहीं। माँ की कोई उपमा नहीं हो सकती क्योंकि माँ कभी उप.... माँ नहीं होती। **माँ तो बस माँ होती है।**

* विनम्र श्रद्धांजली *

* **श्री विनयचंदजी** का स्वर्गवास 30/12/11 को हो गया। आप धार्मिक एवं सरल स्वभावी व्यक्तित्व थे। परिवार द्वारा आपकी स्मृति में 21000/– रु. की राशि दान स्वरुप समाज को भेंट की गई।

* ज्योतिषाचार्य निर्मल कुमार जैन एवं कैलाशचंद की माताजी **श्रीमती विजयारानी जैन** का स्वर्गवास दिनांक 5/1/12 को हो गया है। आपकी सदैव धार्मिक कार्यक्रमों में विशेष रुचि रही।

* **श्री खेमचंदजी जैन,** विदिशा का स्वर्गवास 17 जनवरी 2012 को 90 वर्ष की आयु में हो गया। आपने प्रतिदिन जिनदर्शन, सामायिक, स्वाध्याय व धार्मिक कार्यों में अपना जीवन व्यतीत किया।

* **श्रीमती हीराबाई स्व. श्री भगवानदासजी जैन** का स्वर्गवास 81 वर्ष की आयु में दिनांक 23/1/12 को हो गया। आप अत्यंत धार्मिक, समाजसेवी एवं मिलनसार थी। आपकी स्मृति आपके परिवार द्वारा समाज के प्रस्तावित मांगलिक परिसर में एक कमरे के निर्माण की सहमति दी है।

* इन्दौर समाज के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य **श्री उत्तमचंद जैन** का निधन 2/2/12 को हो गया। आप समाज विकास के लिए सदैव तत्पर रहते हुए अनेको अवसर पर आप समाज पदाधिकारियों का उत्साह बढ़ाते रहे। आपके योगदान को समाज सदैव याद रखेगा।

* **पं. श्री बाबूलालजी शास्त्री** का निधन 4 फरवरी 2012 को ब्रह्मबेला में सामायिक करते समय हो गया। वे 86 वर्ष के थे। फणीशजी ओजस्वी प्रवचनकार थे, वे सदैव श्रावकों को ज्ञानार्जन हेतु प्रेरित करते रहते थे। आप अ.भा.दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद् एवं अ.भा. दिगम्बर जैन विद्वत् परिषद् व कई अन्य संस्थाओं के वरिष्ठ सम्मानीय सदस्य थे।

* **श्रीमती श्रीमतीबाई का निधन 4 फरवरी 2012 को** 87 वर्ष की आयु में हो गया है। धार्मिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि थी। स्मृति स्वरुप आपके परिवार द्वारा समाज को 5100/– की राशि प्रदान की गई।

* **श्रीमती कलीबाई जैन स्व. श्री कस्तूरचंदजी जैन की धर्मपत्नी** का निधन 8 फरवरी 2012 को हो गया है। आपकी स्मृति में आपके परिवार द्वारा 11000/– रु. की राशि समाज को प्रदान की है।

* **इन्दौर समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाषचंदजी का निधन** समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। आप धार्मिक एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। आपके परिवार ने आपकी स्मृति में समाज को 11000/– रु. की राशि प्रदान की है।

श्री गोलालारीय दर्शन परिवार आपके निधन पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

दिवंगत समाज सदस्यों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए उनका सचित्र परिचय भेंजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

1. 001
2. सुक्ति प्रदीपकुमार जैन
3. गोट/लंगुर
4. 4.02.85
5. 9.00
6. ललितपुर
7. एम.सी.ए.
8. 5'
9. गेहुँआ
10. सर्विस – हर्मिटेज इंफोटेक
11. –
12. नहीं
13. नहीं
14. यूनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस, डी.ओ.11 रामकटोरा, वाराणसी
15. 09415443757 09452986110

1. 002
2. अतुल जयकुमार जैन
3. गोट/फणीश
4. 29.06.85
5. 11.55
6. लाडनूँ (राज.)
7. बी.ई. कम्प्यूटर सांईस
8. 5'11''
9. गेहुँआ
10. सर्विस – जे.पी. मॉर्गन, मुंबई
11. 10.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. शास्त्री कुटीर, पुराना टेलीफोन एक्सचेंज गली, लाडनूँ (राज.)
15. 01581-225651 09413984600

1. 003
2. अरिहंत जयकुमार जैन
3. वैद्य/सेठ
4. 19.08.86
5. 12.45
6. जबलपुर
7. बी.कॉम
8. 5'8''
9. गोरा
10. रेडीमेड गारमेंट्स
11. –
12. हाँ
13. –
14. मुकेश टेक्सटाइल एजेंसी 25, पुरानी चरहाई, जबलपुर
15. 0761-2611256 09425324630

1. 004
2. सुशील कुमार बालचंद जैन
3. फणीश/जाखोरिया
4. 06.12.78
5. 6.35
6. –
7. बी.कॉम
8. 5'6''
9. गेहुँआ
10. ट्रांसपोर्ट
11. –
12. नहीं
13. –
14. पाठकपुरा, टीकमगढ़ रोड़ मऊरानीपुर, झांसी
15. 9450073445 9696066441

1. 005
2. राजीव कमलकुमार जैन
3. सिंघई/गोट
4. 23.09.78
5. –
6. –
7. मेट्रिक
8. 5'5''
9. गेहुँआ
10. दुकान
11. 1.20 लाख
12. हाँ
13. –
14. चोखेलाल की आरा मशीन के पास गणपति मार्ग, मुंगावली
15. 9907690781 9806403921

1. 006
2. संजीव कमलकुमार जैन
3. सिंघई / गोट
4. 19.08.82
5. 20.10
6. –
7. एल.एल.बी.
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. कोचिंग क्लास
11. 1.80 लाख
12. –
13. –
14. चोखेलाल की आरा मशीन के पास गणपति मार्ग, मुंगावली
15. 9893646886 9753293786

1. 007
2. अनूप अशोक कुमार जैन
3. गुड़ारे /
4. 14.10.81
5. 2.30
6. –
7. एम.कॉम
8. 5'2''
9. –
10. नौकरी
11. 3.60 लाख
12. –
13. –
14. बी–20, विजय पार्क सोसायटी मणी नगर, अहमदाबाद – 08
15. 079-65242830 9825777554

1. 008
2. नितिन कुमार जयकुमार जैन
3. नागपुरिया/गोट
4. 16.07.82
5. 17.00
6. –
7. बी.एस.सी.
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. मेडिकल स्टोर्स
11. –
12. –
13. –
14. नितिन मेडिकल स्टोर पोस्ट जखौरा, ललितपुर
15. 05175-288327 9450504472

1. 009
2. योगेश स्व. दिनेश कुमार जैन
3. वैद्य / दिवाकीर्ति
4. 1.07.85
5. 23.00
6. गंजबासौदा
7. एम.कॉम, एम.बी.ए.
8. 5'11''
9. गोरा
10. नौकरी
11. 1.80 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. गांधी चौक गंजबासौदा
15. 9329412648

1. 010
2. दीपा स्व. दिनेश कुमार जैन
3. वैद्य / दिवाकीर्ति
4. 17.07.87
5. 5.30
6. गंजबासौदा
7. एम.कॉम
8. 5'4'
9. गोरा
10. शिक्षका
11. –
12. नहीं
13. नहीं
14. गांधी चौक गंजबासौदा
15. 9329412648

1. 011
2. अनिता संतोषकुमार जैन
3. किरोरी/–
4. 10.09.85
5. 22.00
6. करेरा
7. बी.कॉम., एम.बी.ए.
8. 5'2''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. बी–33, अजय टेनामेंट– II अमराईवाड़ी, अहमदाबाद–26
15. 9377381217

1. 012
2. अनुषा पदमचंद भंडारी
3. भंडारी/सिंघई
4. 3.09.86
5. 11.45
6. छतरपुर
7. बी.ई. (इलेक्ट्रीकल)
8. 5'3''
9. गोरा
10. कोचिंग
11. 1.80 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. गीता टॉकिज के पास, अम्बेडकर चौक गंजबासौदा
15. 9977381101

बायोडाटा प्रकाशन शुल्क 100 रु. की राशि इस पत्रिका को निकालने में एक अहम भूमिका निर्वाह करती है, अपना सहयोग इसी प्रकार देकर हमें संबल प्रदान करें।
आपके बायोडाटा के प्रकाशन में यदि कोई गंभीर त्रुटि रह गई हो तो प्रधान संपादक/संयोजक को सूचित करें ताकि आगामी अंक में संशोधन के साथ निशुल्क प्रकाशन किया जा सके।

1. 013
2. स्मिता स्वतंत्रकुमार जैन
3. लंगुर/फणीश
4. 18.8.88
5. 17.45
6. ललितपुर
7. बी.कॉम
8. 5'5''
9. गोरा
10. कम्प्यूटर टीचर
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. 819, तालाबपुरा गोशाला अखाडे के पीछे ललितपुर
15. 9889277390

1. 014
2. स्मिता सुरेशचंद जैन
3. पटवारी /पंचरत्न
4. 28.2.85
5. 7.50
6. अहमदाबाद
7. एम.कॉम
8. 5'2''
9. साफ
10. नौकरी
11. 0.70 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. 40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी रोड़ इन्दौर
15. 0731-2713420, 9753271580

1. 015
2. चित्रा पूनमचंद जैन
3. फणीश/पंचरत्न
4. 26.9.88
5. 22.35
6. अहमदाबाद
7. बी.कॉम
8. 5'2''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. 32, सोमेश्वर टेनामेंट, राणीप अहमदाबाद
15. 079-2754492/9427029932

1. 016
2. संगीता संतोष कुमार जैन
3. फणीश/जामोरिया
4. 14.06.84
5. 5.21
6. गंजबासौदा
7. एम.ए. संस्कृत, एम.एस.सी.
8. 5'
9. गोरा
10. सर्विस– कान्वेंट स्कूल
11. 1.08 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. नानाजी वाली गली, सुभाष चौक, वार्ड नं. 2 गंजबासौदा, विदिशा
15. 07594-221618, 9300211828 9827444963, 7566080351

1. 017
2. मुकेश कुमार महेन्द्रकुमार जैन
3. फणीश/वैद्य
4. 17.09.84
5. 5.35
6. –
7. बी.कॉम
8. 5'6''
9. साफ
10. शेयर ब्रोकर, ग्वालियर
11. 1.80 लाख
12. हाँ
13. –
14. बनखंडेश्वर स्कूल के पास, बल्ला का डेरा, डबरा
15. 07524-225851 9754314796

1. 018
2. अर्पित राजकुमार जैन
3. पुला/भंडारी
4. 05.07.85
5. 8.10
6. ललितपुर
7. बी.टेक (इलेक्ट्र)
8. 5'6''
9. गोरा
10. शासकीय सर्विस
11. 5.00 लाख
12. –
13. आंशिक
14. 460, सिविल लाईन, ललितपुर
15. 05176-273727 09450036706

1. 019
2. सौरभ शीलचंद जैन
3. दिवाकीर्ति/पंचरत्न
4. 7.04.81
5. 2.30
6. –
7. बी.कॉम
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस – आयशर पीथमपुर
11. –
12. हाँ
13. –
14. बर्फ फैक्ट्री के पीछे तलैया मोहल्ला, विदिशा
15. 07592-233765 09893011779

1. 020
2. अंकिता अशोक कुमार जैन
3. बिलैआ/कोछल्ल
4. 21.11.88
5. 8.45
6. नागौद, जिला सतना
7. एम.एस.सी. गणित
8. 5'3''
9. गोरा
10. कोचिंग क्लास
11. 1.20 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. वस्त्र विक्रेता, सिंहपुर चौक नागौद, जिला सतना
15. 9826654147 9926784759

1. 021
2. संभव अशोककुमार जैन
3. सोनव्यारे/सेठ
4. 27.08.86
5. 7.20
6. सतना
7. बी.ए., एल.एल.बी (आनर्स)
8. 5'9''
9. गोरा
10. सर्विस – कोल इंडिया लि.
11. 7.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. 308–ए, महालक्ष्मी नगर इन्दौर
15. 08989007333

1. 022
2. संजीव हुकुमचंद जैन
3. भुंजग/वैशाखिया मूर वाइल्य
4. 16.10.81
5. 10.45
6. –
7. हायर सेकेण्डरी
8. 5'6''
9. गोरा
10. किराना मर्चेन्ट
11. 2.40 लाख
12. –
13. –
14. नानाजी वाली गली नं. 5 वार्ड नं. 3, गंजबासौदा – विदिशा
15. 9425641245 9827243423

1. 023
2. सरिता हुकुमचंद जैन
3. भुंजग/वैशाखिया मूर वाइल्य
4. 15.06.84
5. 3.30
6. –
7. हाईस्कूल
8. 5'3''
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. नानाजी वाली गली नं. 5 वार्ड नं. 3, गंजबासौदा – विदिशा
15. 9425641245 9827243423

1. 024
2. रितीक राजेशकुमार जैन
3. पटवारी/गुड़ारे
4. 15.01.86
5. –
6. –
7. बी.ई. (ई.सी.)
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस – ई.फ्लेग टेक्नोलॉजी
11. 4.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. आशीर्वाद हास्पिटल के सामने गुना (म.प्र.)
15. 9425196617 9752521365

प्राप्त बॉयोडाटा को प्रकाशित करने में हम पूरी सावधानी रखतें हैं, जिन प्रत्याशियों का संबंध हो गया है उनके अभिभावकों से सादर निवेदन है कि वे संबंध की सूचना हमें प्रेषित करें ताकि ''**गोलालारीय दर्शन**'' के माध्यम से नवदंपत्ति को बधाई संदेश (मय फोटो) प्रेषित किया जा सकें। यदि आप बॉयोडाटा का पुन: प्रकाशन चाहतें है तो निर्धारित शुल्क 100 रु. एवं उपरोक्त प्रारुप के साथ गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर भेज सकते हैं।

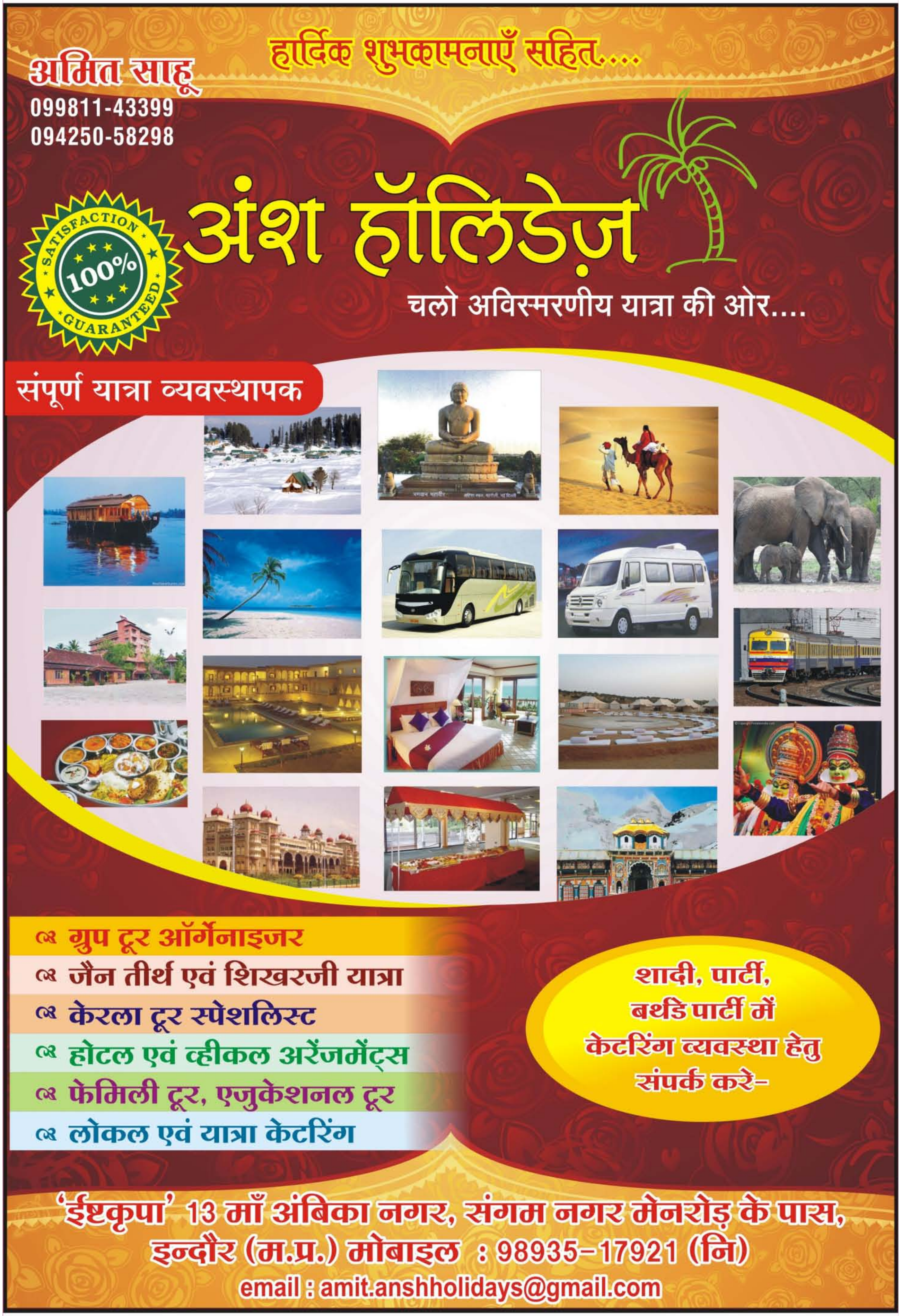

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रतिक्षा ग्राफिक्स 127, जेल रोड़ इन्दौर से मुद्रित एवं श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित